# अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

## अखिल भारतीय साधारण सभा, जयपुर, राजस्थान

# महामंत्री प्रतिवेदन

### 4 अक्टूबर 2025

राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक, शिक्षक के हित में समाज के त्रि-सूत्रीय संकल्प के साथ अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की पुनर्स्थापना और राष्ट्रहित के लिए समाज को जागृत करने के संकल्प के साथ 1988 से कार्यरत है। शैक्षिक महासंघ की गंगोत्री वर्तमान में 29 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 13 लाख से अधिक शिक्षकों के प्रवाह और व्याप की धारा बन शिक्षा एवं राष्ट्र हित में कार्यरत है।

**कर्तव्यबोध दिवस**

समाज में कर्तव्य के प्रति निष्ठावान शिक्षक आदर्श बने, इस प्रेरणा से देश भर में स्वामी विवेकनन्द जयंती (12 जनवरी) से नेताजी सुभाष चंद्र जयंती (23 जनवरी) के मध्य कर्तव्यबोध दिवस महासंघ कार्यकर्ताओं दवारा मनाया जाता है। इस वर्ष 714 स्थानों पर 5118 कार्यक्रमों में शिक्षक एवं समाज के 198395 विद्वज्जन सहभागी हुए।

**वर्ष प्रतिपदा**

भारतीय नव वर्ष के उत्सव को महासंघ की इकाइयों द्वारा भारतीय कालगणना एवं भारतीय संस्कृति पर संगोष्ठी, चौराहों एवं घर, संस्थानों पर सज्जा, दीपदान, शुभेच्छा संदेश के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस वर्ष 429 स्थानों पर 2712 कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें 89872 बंधु बहिनों ने भाग लिया।

**गुरु वंदन कार्यक्रम**

अजान से ज्ञान का पथ प्रदर्शित करने की भारतीय गुरु शिष्य परंपरा 21वीं शताब्दी में भी प्रासंगिक रहे, इस दृष्टि से महासंघ की इकाइयों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवंदन कार्यक्रम सम्पन्न किए किये गए। इस वर्ष 682 स्थानों पर 5329 कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें 213175 बंधु बहिनों ने भाग लिया।

**'शिक्षा भूषण' अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम**

महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष शैक्षिक एवं सामाजिक दृष्टि से असाधारण एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन श्रेष्ठ शिक्षाविदों को 'शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान', जिसमें 1 लाख रुपये की राशि, रजत चिन्ह, सम्मान पत्र आदि से सम्मानित किया जाता है। शिक्षक द्वारा शिक्षक के सम्मान का यह अनूठा उदाहरण है जिसमें सम्मान की सम्पूर्ण राशि का व्यय शिक्षकों द्वारा केवल एक बार के रू. 100 के अंशदान से बने अक्षय कोष के माध्यम से होता है।

9 वाँ शिक्षा भूषण अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम भोपाल, मध्यप्रदेश के रवींद्र भवन सभागार में 6 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया। इस भव्य एवं सार्थक कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री सुरेश सोनी एवं राज्य सभा सदस्य महामण्डलेश्वर बालयोगी उमेशनाथ महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। 2024 का शिक्षक सम्मान गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति एवं वर्तमान में SAARC देशों द्वारा स्थापित दक्षिण एशियाई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.के. अग्रवाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला की सदस्य गांधी विद्या संस्थान वाराणसी की अध्यक्ष तथा धर्मपाल

शोधपीठ भोपाल की निदेशक रही प्रोफेसर कुसुम लता केडिया एवं रामकृष्ण मिशन विवेकानंद कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत के विद्वान और संस्कृत भारती के दक्षिण क्षेत्र के शिक्षण प्रमुख डॉ. रामचंद्रन आर जैसे श्रेष्ठ तीन शिक्षकों को दिया गया।

**लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रि-शताब्दी समारोह**

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में देश की अधिकांश इकाइयों द्वारा व्याख्यान, संगोष्ठी एवं प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 1587 स्थानों पर, 4958 कार्यक्रमों में 312984 महिला एवं 320120 पुरुषों की उपस्थिति रही। कुल उपस्थिति 633104, शिक्षक कार्यकर्ताओं की रही।

**लोकमाता अहिल्याबाई त्रि-शताब्दी अवसर पर विशेष कार्यक्रम**

क. राजस्थान के अजमेर जिले में एक दिन में 755 विद्यालयों में कार्यक्रम हुए। जिसमें 97,225 शिक्षक-नागरिकों की उपस्थिति रही।

ख. राजस्थान उच्च शिक्षा द्वारा एक ही दिन में 100 स्थानों पर 378 कार्यक्रम आयोजित हुए।

ग. तेलंगाना के उच्च शिक्षा संस्थानों में 300 घंटों में 330 कार्यक्रम आयोजित हुए। यह कार्यक्रम 327 विविध संस्थानों में अयोजित किए गए जिनमें 14 राज्य विश्वविद्यालय, 08 शोध संस्थान, 155 महाविद्यालय, 84 टेक्निकल संस्थान, 25 जूनियर कॉलेज, 12 पी. जी कॉलेज, 03 पॉलीटेक्निक, 26 फॉर्मेसी कॉलेज, 03 बीएड कॉलेज, 01 नर्सिंग कॉलेज, 04 निजी कॉलेज में आयोजित हुआ। सभी कार्यक्रमों में कुल 42.389 लोगों की उपस्थिति रही।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर पर 2 पुस्तकों – राजयोगिनी अहिल्यामाता, एवं अहिल्याबाई होल्कर-एक आदर्श साम्राज्ञी का प्रकाशन। महासंघ की मासिक पत्रिका शैक्षिक मंथन का अगस्त-2024 का अंक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समर्पित रहा।

गुजरात के सभी 33 जिलों में 122 मातृशक्ति वंदन कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें 11835 शिक्षिकाओं का सहभाग रहा। राजस्थान के सभी 44 जिलों में महिला गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें कुल 11,340 शिक्षिकाओं की सहभागिता रही।

**राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 के पाँच वर्ष**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में शैक्षिक महासंघ द्वारा शिक्षा नीति के क्रियान्वयन हेतु प्रगति का आकलन, रचनात्मक परिवर्तनों का समग्र मूल्यांकन, सुधार की संभावनाएँ और क्रियान्वयन में अवरोध के कारणों पर मंथन हेतु 20 जुलाई से 29 अगस्त के बीच संगोष्ठी, कार्यशाला और व्याख्यान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 1013 व्याख्यानों और 196 संगोष्ठियों में 22455 शिक्षकों और 121741 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। साथ ही सभी हितधारकों के बीच उच्च शिक्षा एवं विद्यालय शिक्षा में शिक्षा नीति में परिकल्पित मानकों पर आधारित सर्वेक्षण की योजना की है।

**हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम**

भारत के भविष्य को आकार देने वाले नागरिकों की ज्ञान, संस्कार और अनुशासन की आधारशिला का निर्माण विद्यालय में होता है। विद्यालय का प्रांगण शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए तीर्थ के समान पवित्र हो, ऐसे देशव्यापी संकल्प 'हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान' का आह्वान महासंघ के द्वारा 1 सितम्बर, 2025 को किया गया। इस अवसर पर भारत में करोड़ों विद्यार्थियों, लाखों शिक्षक एवं अभिभावकों ने एक दिन में पाँच संकल्पों का सामूहिक उच्चारण किया। यह संकल्प अपने विद्यालय पर गर्व करने, समय विकास के प्रति समर्पण, भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व को पूर्ण करते हैं। एक शिक्षक संगठन के द्वारा विश्व में ऐसा पहला ऐतिहासिक अभियान लिया गया है। इस अखिल भारतीय संकल्प में 28 राज्यों 595 जिलों से 448581 विद्यालयों, 2269476 शिक्षकों, 48311257 विद्यार्थियों, 711139 समाज के सुधीजन आदि के साथ कुल 51291872 लोगों ने भाग लिया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के सफल आयोजन प्रयोजन और क्रियान्वयन के लिए शैक्षिक महासंघ के कार्यकर्ता अभिनन्दन के पात्र है।

**सेवा कार्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व**

एक शिक्षक एक वृक्ष अभियान के अंतर्गत प्रतिवर्ष एक शिक्षक के द्वारा न्यूनतम एक वृक्ष का रोपण एवं उसकी देख-रेख का संकल्प लिया गया। इस वर्ष एक शिक्षक एक विद्यार्थी कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक सामाजिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों की फीस, यूनिफार्म, पुस्तकों आदि की जिम्मेदारी सदस्यगण द्वारा ली गई। जीव सृष्टि कल्याण योजना के अंतर्गत पशुओं के लिए चारा, भोजन पानी का, पक्षियों के लिए दाना, गौशाला परिसरों आदि के लिए व्यवस्था का कार्य भी विभिन्न इकाइयों द्वारा बड़ी मात्रा में किया गया। पुस्तक बैंक योजना के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर छात्रों को पुस्तकें, गणवेश (यूनिफार्म) एवं अन्य सामग्री प्रदान की गई।

बाढ़ग्रस्त राज्यों में वस्त्र, अन्न, स्वच्छ जल, दवाइओं आदि का वितरण हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष में सहयोग दिया गया। पश्चिम बंगाल राज्य इकाई द्वारा चतुर्थ व अष्टम कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आचार्य प्रफुल्ल चंद राय प्रतिभा अन्वेषण परीक्षा व माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया। 978 शिक्षक एवं 11052 विद्यार्थी सहभागी रहे।

माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए तनाव मुक्त- प्रसन्नता युक्त बोर्ड परीक्षा हेतु गुजरात राज्य इकाई द्वारा हेल्पलाइन के माध्यम से 150000 से अधिक विद्यार्थियों की काउंसलिंग की गयी।

**कार्य विस्तार**

उच्च शिक्षा के विभिन्न क्षेत्र तथा कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, केंद्रीय विश्वविद्यालय, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के फोरम के साथ व्यापक स्तर पर बैठक संपन्न कर तीनों के अलग-अलग फोरम बनाकर इस क्षेत्र में संगठन का कार्य विस्तार भी है। कृषि विश्वविद्यालय एवं पशु चिकित्सा संस्थानों की योजनाबद्ध बैठक में 38 संस्थानों के शिक्षकों की उपस्थिति में फोरम बनाने का निर्णय लिया गया।

**प्रकाशन**

शैक्षिक क्षेत्र में पिछले 18 वर्ष से अधिक समय से गुणवत्तापूर्ण एवं नियमित प्रकाशन से अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली 'शैक्षिक मंथन' मासिक पत्रिका के वर्षभर में विभिन्न शैक्षिक और सामाजिक विषयों पर विशेषांक प्रकाशित किए जा रहे हैं। शैक्षिक फाउंडेशन द्वारा पुस्तक प्रकाशन- राजयोगिनी अहिल्यामाता, अहिल्याबाई होल्कर-एक आदर्श साम्राज्ञी, राष्ट्रऋषि बाबा साहेब अम्बेडकर, महर्षि दयानन्द सरस्वती, हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ।

''सत्य सनातन शाश्वत भारत, मृण्मय भारत, चिन्मय भारत'' विषय पर केंद्रित भारत के महापुरुषों द्वारा उद्भूत विचार, राष्ट्र भावना से झलकते चित्रों से सुसज्जित वार्षिक कैलेंडर का प्रकाशन महासंघ द्वारा किया गया है। महासंघ के द्वारा देशभर में हो रही गतिविधियों की जानकारी पाक्षिक न्यूज लेटर एबीआरएसएम समाचार के माध्यम से प्रकाशित की जाती है। इसके अलावा राज्य संगठनों द्वारा मासिक, पाक्षिक पत्रिकाओं, न्यूज लेटर, डायरी आदि का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है।

**सांगठनिक गतिविधियाँ**

संगठन की अखिल भारतीय स्तर से लेकर खंड इकाई स्तर तक कार्यकारिणी बैठक, कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग, प्रशिक्षण वर्ग, नवीन सांस्कृतिक परिचय वर्ग, अधिवेशन, विधान अनुसार संगठनात्मक निर्वाचन नियमित रूप से सम्पन्न हुए। प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा महिला संगठन के साथ-साथ शैक्षिक प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण और मीडिया प्रकोष्ठ की कार्य योजना के अनुसार नियमित रूप से गतिविधियाँ आयोजित की गई।

**विशेष कार्यक्रम एवं संगोष्ठियाँ**

1. ABRSM NIT फॉरम के द्वारा 22-23 फरवरी 2025 को 'Spurring National Institutions of Importance for Capacity Building : A mission for Viksit Bharat' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली में आयोजित हुआ जिसमें 23 NIT के 180 शिक्षकों और 10 निदेशकों ने भाग लिया। संगोष्ठी का समापन सत्र भारत की संसद के संगोष्ठी सभागार में, लोक सभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

2. नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 9–10 मार्च 2025 को स्वदेशी जान परंपरा एवं धारणक्षम विकास पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन किया गया। देश विदेश के 750 प्रतिनिधियों ने सहभाग किया। उद्घाटन सत्र में माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान एवं समापन सत्र में माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्तिथि रही। सम्मेलन में प्रस्तुत शोध पत्रों का संकलन कॉन्फ्रेंस पोसीडिंग्स के रूप में प्रकाशित किया गया।

3. महासंघ की केरल इकाई (VAS) द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन, 34 जनवरी 2025 को Bharteeya Shaastras and Samskritam Bridging Traditional Wisdom and Modern Innovation for Viksit Bharat विषय पर थिरुवनंतपुरम में सम्पन्न हुआ जहाँ 530 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वैचारिक एवं शैक्षिक विषयों पर 17 राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ एवं कार्यशालाएँ चेन्नई, कोलकोता, जयपुर, बिलासपुर, गौरखपुर, बनारस सहित विभिन्न राज्यों में आयोजित की गयी।

**वानप्रस्थी/पूर्णकालिक कार्यकर्ता वर्ग**

सेवानिवृत शिक्षक कार्यकर्ताओं ने सांगठनिक कार्यविस्तार के लिए अपना अधिकाधिक समय देने का निश्चय किया है। इस समय देशभर से 96 कार्यकर्ता कार्यरत हैं। साथ ही इस वर्ष में कुल 150 कार्यकर्ताओं की वाणप्रस्थी के रूप में कार्य करने की योजना है।

**शिक्षक समस्याओं के समाधान हेतु गतिविधियाँ**

विद्यालय एवं उच्च शिक्षा के शिक्षकों की विभिन्न स्तरों पर उत्पन्न समस्याओं के लिए केन्द्र और राज्य इकाइयों द्वारा ज्ञापन पत्र, ज्ञानगोष्ठी, संपर्क यात्राएँ आदि के माध्यम से निरंतर प्रयास किये गए। संगठन के प्रयासों से कई समस्याओं का समाधान हुआ या समाधान की दिशा में प्रगति हुई।

1 मई 2025 को महासंघ के अ.भा. प्रतिनिधि मंडल ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी से उच्च शिक्षा के विशिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा की।

1 सितम्बर 2025 को माननीय सर्वोच्च न्यायलय द्वारा दिए गए निर्णय के कारण शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) के संबंध में देश के लाखों शिक्षक प्रभावित हुए हैं। इस संदर्भ में महासंघ की 453 जिलों में 464 इकाइयों ने माननीय प्रधानमंत्री जी को संबोधित ज्ञापन 15 सितम्बर 2025 को जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रेषित किया। आगे योजनाबद्ध कार्यक्रम के माध्यम से TET विषय के समाधान के लिए निरंतर महासंघ के प्रयास जारी है।

**आगामी कार्य योजना**

- वर्ष 2026 तक विद्यालय क्षेत्र में प्रत्येक मंडल (6–8 विद्यालयों का समूह) तक पहुँचना।
- वर्ष 2026 तक न्यूनतम 300 विश्वविद्यालय में संगठनात्मक रचना खड़ी करना।
- वर्ष 2026 में 15 लाख सदस्यता का लक्ष्य लेकर संगठन का काम आगे बढ़ाना।

अंत में, मैं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी के सदस्यों एवं देशभर के कार्यकर्ताओं की हृदय से आभारी हूँ जिनके सहयोग से यह सब कुछ संभव हुआ है। जो भी कुछ त्रुटियाँ कार्य में यदि रही हैं, उसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से क्षमा प्रार्थी हूँ।

सादर अभिवादन सहित।

भवदीय

**प्रो. गीता भट्ट**

महामंत्री